1

525%
Mukherjee Nagar

दृष्टि The Vision

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
टेस्ट-4

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF / OPT-24 **H-2404**	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Ravi Raaz **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:**

Center & Date: Nehru Vihar **UPSC Roll No. (If allotted):** 8007323

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।*

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1	4	4	5	5	5.5	23.5	5	5	2.5	4	5	5	21.5
2	12	7.5	6			25.5	6	11	9	7.5			27.5
3	–	–	–	–	–		7	–	–	–	–	–	
4	–	–	–	–	–		8	10	6	9			25
						सकल योग (Grand Total)							123

FL-79 Sandeep

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

प्रिय छात्र,

(1) आपका प्रश्नों को समझने की संदर्भ दक्षता अच्छी है।

(2) विषय-वस्तु भी ठीक है। इसे और प्रभावी बनायें।

(3) कुछ प्रश्नों के उत्तर में भूमिका व निष्कर्ष ठीक है। इसे अन्य प्रश्नों में भी प्रयोग करें।

(4) वर्तनी त्रुटि पर ध्यान दें।

(5) प्रस्तुतीकरण भी ठीक है।

(6) सभी प्रश्नों का उत्तर लिखने का प्रयास अच्छा है।

शुभकामनाएँ

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - क / SECTION – A

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50
Answer the following in about 150 words each:

(a) "प्रतिनिधित्व नहीं तो कर नहीं।" टिप्पणी कीजिये।

"No taxation without representation." Comment.

अमेरिकी क्रांति का नारा "प्रतिनिधित्व नही तो कर नही" न केवल अमेरिकी क्रांति के चरित्र का निरूपण करता है अपितु बाद में विश्वभर मे होने वाले उपनिवेशमुक्ति आंदोलन का प्रेरक वाक्य बन गया।

भूमिका अच्छी है

कुछ संबंधित तथ्य

(i) 'सप्तवर्षीय युद्ध' के कारण ब्रिटेन पर पड़े आर्थिक भार को कम करने के लिए 1765 के बाद नवपरिवहन कानून (1651) को अमेरिकी उपनिवेशों में शक्ति से कार्यान्वयन किया जाने लगा।

(ii) फिर 'सुगर एक्ट' और 'स्टाम्प एक्ट' के माध्यम अमेरिकी उपनिवेशो की जनता

'प्रतिनिधित्व नही तो कर नही' नारे का महत्व बतायें
Ex- वैचारिक स्तर पर अमेरिका अब यूरोप से भी आगे निकल गया

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पर दो नए कर आरोपित किए गए

(iii) इससे अमेरिकी बुद्धिजीवियों और ~~मध्यवर्गीय~~ मध्यवर्ग के बीच असंतोष हुआ

(iv) फलतः 13 में से 09 अमेरिकी उपनिवेशों के प्रतिनिधि न्यूयॉर्क में एकत्र हुए और 'प्रतिनिधित्व नहीं तो कर नहीं' की घोषणा की

(v) जिसका अर्थ था चूंकि ब्रिटिश संसद में अमेरिकी जनता को कोई प्रतिनिधित्व नहीं है फलतः ब्रिटिश पार्लियामेंट अमेरिकी उपनिवेशों पर बाह्य कर तो लगा सकती है किंतु आंतरिक कर नहीं

(vi) अंततः रॉकिंघम की सरकार ने स्टाम्प कर व शुगर कर को वापस ले लिया

आगे चलकर यही नारा अमेरिकी क्रांति के साथ अन्य उपनिवेशों के स्वतंत्रता आंदोलन का प्रसिद्ध वाक्य बना (1892 में भारत)

क्योंकि प्रतिनिधित्व की मांग यूरोप में भी उतनी मजबूत नहीं थी।

- ब्रिटिश संसद की संप्रभुता को चुनौती

4/10

अच्छी प्रभाव

निष्कर्ष ठीक है, और प्रभावी बनाएं

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) उन्नीसवीं सदी में ब्रिटेन में मुक्त व्यापार आंदोलन की सफलता का मूल्यांकन कीजिये।

Evaluate the success of the free trade movement in Britain in the nineteenth century.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

व्यवसायिक क्रांति के फलस्वरूप ब्रिटेन में वाणिज्यवाद को प्रोत्साहन मिला जिसमें बुलियनवाद, अनुकूल व्यापार संतुलन, उपनिवेशवाद व उत्पादन को प्रोत्साहन के माध्यम से सरकार द्वारा व्यापार में हस्तक्षेप किया जाता।

अच्छा प्रयास

एडम स्मिथ की पुस्तक 'wealth of Nation (1776)' में वाणिज्यवाद की आलोचना की गई और मुक्त व्यापार की नीति का प्रस्तावन किया गया जो अंतत: 1846 में ब्रिटेन में मूर्त रूप ले सका।

19वीं सदी में ब्रिटेन में मुक्त व्यापार की नीति से संबंधित तथ्य :-

(i) नवउदित मध्य वर्ग द्वारा मुक्त व्यापार नीति का प्रबल समर्थन किया जाना

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ii) 'कॉर्न लॉ' का मध्य वर्ग द्वारा भारी विरोध किया जाना।

(iii) ह्विग पार्टी के द्वारा मुक्त व्यापार के लिए आंदोलन चलाया जाना

(iv) अंततः 1846 में कॉर्न लॉ को निरस्त कर मुक्त व्यापार की नीति अपनाई गई।

(v) आगे चलकर यह ब्रिटिश अर्थव्यवस्था का आधार स्तंभ बना

(vi) यद्यपि साम्राज्यवादी हितों में ब्रिटिश द्वारा एकतरफा मुक्त व्यापार की नीति अपनाई गई

ब्रिटेन में हुए इस मुक्त व्यापार आंदोलन की सफलता ने आगे अन्य देशों को भी मुक्त व्यापार को प्रेरित किया।

good

मुक्त व्यापार नीति सिर्फ कॉर्न लॉ के संदर्भ में ही नहीं थी बल्कि 18 वीं सदी में औद्योगीकरण से भी जोड़ें

निष्कर्ष प्रभावी बनायें पूंजीवाद के विकास और इसके अंतर्निहित कुरीतियों के संदर्भ में।

4/10

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) 'मैज़िनी आधुनिक इटली के निर्माताओं में एक महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है।' व्याख्या कीजिये।
Mazinni holds an imperishable place among the makers of modern Italy.' Explain.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जोसफ मैज़िनी (1807) को आधुनिक इटली का निर्माता माना जाता है।

भूमिका को इटली के एकीकरण से जोड़ सकते हैं

आधुनिक इटली के निर्माण मे मैज़िनी की भूमिका

(i) वह एक समर्पित गणतंत्रवादी था।
(ii) कार्बोनारी नामक गुप्त संगठन के सदस्य के रूप में इटली के एकीकरण हेतु इतालवी जनता के बीच राष्ट्रीय चेतना का प्रसार किया
(iii) उसके अनुसार राष्ट्र ही भूगोल की प्राकृतिक इकाई है
(iv) लिगुरिया की क्रांति (1831) के बाद निर्वासन में रहते हुए यंग इटली तथा यंग यूरोप की स्थापना कर उसने अपने राष्ट्रीय एकीकरण के विचारों को उजागर किया।

सारे बिन्दु प्रासंगिक है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(v) इटली के एकीकरण का तलवार माने जाने वाले गैरीबाल्डी मैजिनी का ही शिष्य था

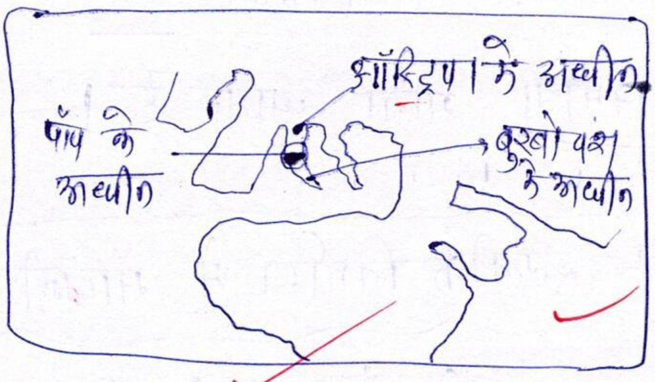

यद्यपि आधुनिक इटली के निर्माण में सर डिनियाई प्रधानमंत्री काबूर और गणतंत्रवादी गैरी बाल्डी ने सशक्त व सक्रिय भूमिका निभाई। किंतु आधुनिक इटली के निर्माण की प्रेरणा उन्हें मैजिनी के विचारों से प्रेरित हो रही थी इन्हीं कारणों से मैजिनी को 'इटली के एकीकरण की आत्मा' कहा जाता है।

अन्य बिन्दु
- क्रांतिकारी गैरीबाल्डी
- कविता व लेखनी के माध्यम से इटली के राष्ट्रवाद को प्रेरित किया।

निष्कर्ष ठीक है

5/10

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(d) फ्राँसीसी क्रांति, फ्राँसीसी दार्शनिकों के कारण नहीं बल्कि नागरिकों की परिस्थितियों और सरकार की गलतियों के कारण हुई।

The French Revolution was not caused by the French philosophers but by the conditions of national life and by the mistakes of the government.

फ्रांसीसी क्रांति के लिए बहुधा फ्रांसीसी दार्शनिकों व बुद्धजीवियों को प्रमुख प्रेरक तत्व माना जाता है किंतु तथ्यों के गहन विश्लेषण से जहाँ उपरोक्त मत की सीमाएं स्पष्ट होती है वही यह ज्ञात होता है कि क्रांति के लिए नागरिकों की परिस्थितियां तथा सरकार की गलतियाँ मुख्यतः जिम्मेदार थी।

1. क्रांति में दार्शनिकों की सीमाएं

सीमाएं
- (i) क्रांति में दार्शनिकों की सक्रिय भूमिका नहीं।
- (ii) दार्शनिक शांतिपूर्ण परिवर्तन के समर्थक न कि क्रांति के।
- (iii) क्रांति के समय अधिकांश दार्शनिक अनुपस्थित या मृत।

बहुधा

उचित ठीक है

जैसे वाल्टेयर

दार्शनिकों के योगदान को संक्षेप में लिखें

- इनके द्वारा तत्कालीन राजतंत्र की निरंकुशता, सामंती शोषण व चर्च की रूढ़िवादिता पर चोट की गई
- लोकतंत्र व गणतंत्र की अवधारणा पेश की गई

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(2) क्रांति के लिए नागरिकों की परिस्थितियाँ

(i) फ्रांसीसी समाज के प्रथम दो वर्ग के सामानांतर तृतीय वर्ग पर कर का अतिशय भार

(ii) प्रथम दो वर्ग विशेषाधिकार सम्पन्न जबकि तृतीय वर्ग पूर्णतः अधिकारविहीन

(iii) आर्थिक संकट के कारण निम्न वर्ग ब्रेड जैसे मूलभूत जरूरतों को भी पूरा करने में असमर्थ

(iv) मध्य वर्ग आर्थिक रूप से बेहतर किंतु सामाजिक रूप से निम्न स्तर पर

(3) सरकार की गलतियाँ

गलतियाँ
(i) कर के आधार में विस्तार के स्थान पर कर की दर में वृद्धि का प्रयास
(ii) स्टेट जनरल में तृतीय वर्ग की माँग को खारिज कर दिया जाना
(iii) सरकार का निरंकुश स्वरूप

यद्यपि फ्रांस की क्रांति (1789-1815) में दार्शनिकों की भूमिका भी पर्याप्त रही क्योंकि इन्होंने क्रांति को नए मुहावरे दिये।

5/10

निष्कर्ष में दार्शनिक व नागरिक दोनों तथ्यों में संतुलित लिखें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) प्रबोधन काल में रूसो के योगदान की चर्चा कीजिये।

Discuss the contribution of Rousseau in Enlightenment.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

'प्रबोधन' का आशय है पुरानी व्यवस्था से तेजी से सम्पर्क तोड़ना और नई व तार्किक व्यवस्था के साथ सम्बद्ध जोड़ना।

प्रबोधन काल में रूसो का योगदान

→ ① स्वच्छंदतावाद का जनक – 'पुरानी व्यवस्थाओं को अस्वीकार करने वाला'
  (i) रूसो के अनुसार सभी स्वतंत्र जन्म लेते हैं किंतु जीवन भर जंजीरों से जकड़े होते हैं
  (ii) रूसो ने सभ्यता व प्रगति को कृत्रिम मानते हुए अल्प पाशविकता की बात कही

योगदान

→ ② प्रजातंत्र का जनक – 'इस मामले में अन्य समकालीन दार्शनिक से कहीं आगे'
  (i) सामान्य इच्छा का सिद्धांत
  (ii) उसके अनुसार एक व्यक्ति अपने सभी

भूमिका ठीक है

संबंध

रूसो प्रबोधन के कई विचारों से सहमत नहीं थे जैसे – तर्कवाद की जगह भावावेश पर बल

प्रश्न के अनुरूप प्रासंगिक बिन्दु

Copyright – Drishti The Vision Foundation

अधिकार समुदाय को अर्पित करता है और फिर समुदाय के सदस्य के रूप में उन्हें पुनः प्राप्त कर लेता है

(3) समाजवाद का पथ प्रदर्शक
"सभी मनुष्य प्रकृति की संतान है"

(4) अनुभववाद का समर्थक - अन्य समकालीन बुद्धिजीवियों (जो तर्क पर बल देते थे) से भिन्न रूसो अनुभव को ज्ञान का प्रमुख साधन मानता था

(5)

प्रबोधन काल में अपने उपरोक्त विचारों के कारण ही रूसो अपने समय से नहीं आगे हो गया और कुछ विद्वानों के अनुसार वह 18वीं सदी का कार्लमार्क्स बन बैठा इसके अतिरिक्त इसके विचारों ने फ्रांस की क्रांति 1789 से 1815 को भी बौद्धिक आधार प्रदान किया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (a) वे कौन-से कारक थे जिन्होंने इंग्लैंड को औद्योगिक क्रांति का अग्रदूत बनाया? 20

What were the factors that positioned England at the forefront of the Industrial Revolution? 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

औद्योगिक क्रांति का आशय 1780-1820 के बीच इंग्लैंड में हुए उन सामाजिक, आर्थिक रूपांतरण से है जिसमें पहले ब्रिटेन और फिर सम्पूर्ण विश्व के उत्पादन व्यवस्था में गुणात्मक व मात्रात्मक परिवर्तन ला दिया।

भूमिका अच्छा है

इंग्लैंड को औद्योगिक क्रांति का अग्रदूत बनाने के कारक -

कारक
- आंतरिक बाजार का विकास
- विदेशी बाजार का विस्तार
- सामाजिक परिवर्तन
- तकनीकि विकास
- राजनीतिक व्यवस्था

अच्छा प्रस्तुतीकरण

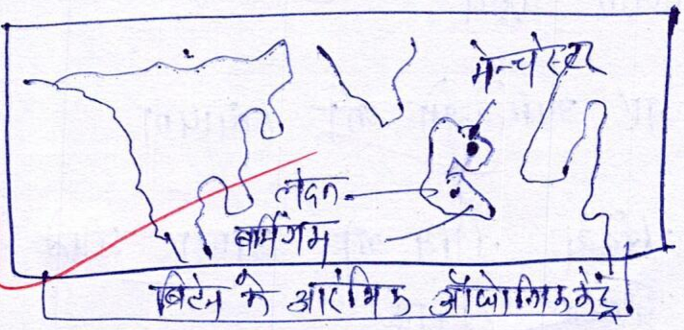

ब्रिटेन के आरंभिक औद्योगिक केंद्र

good

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आंतरिक बाजार का विकास

- कृषि सुधार के कारण जनसंख्या में वृद्धि
- कृषि विकास के कारण कच्चे माल की उपलब्धता
- परिवहन के साधनों का विकास (पक्की सड़के, नहरे व रेलवे)
- मुद्रा व बैंकिंग प्रणाली में सुधार
- इंग्लैंड वेल्स तथा स्कॉटलैंड का एकीकरण

good

अन्य बिन्दु
- कृषि क्रांति के कारण खाद्यान्न निर्भरता
- प्रबोधन व वैज्ञानिक क्रांति
- भौगोलिक परिस्थितियां
- उदार व प्रगतिशील समाज आदि

विदेशी बाजार का स्तर

- इंग्लैंड की विशिष्ट भौगोलिक अवस्थिति फलतः एशियाई तथा अमेरिकी तटों तक आसान पहुँच
- नए उपनिवेशों की स्थापना
- विदेश नीति भी व्यापार नीति के अधीन हो गई

good

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सामाजिक परिवर्तन

- → मध्यवर्ग का उद्भव व सशक्तीकरण
- → जमींदारों का हित व्यापारियों के हित के अधीन किया जाना
- → सामंती ढाँचे को बहुत पहले ही ध्वस्त कर दिया जाना
- → प्राथमिक शिक्षा का विकास
- → वैज्ञानिक संस्थाओं का विकास (रॉयल सोसायटी ऑफ लंदन)

अच्छा प्रयास

राजनीतिक व्यवस्था

- → 1688 के गौरवमयी क्रांति के पश्चात् राजतंत्र को धक्का पहुंचना तथा प्रजातंत्र के विकास की दिशा में प्रगति
- → राजनीतिक स्थिरता
- → इंग्लैंड के सांसदों का व्यापारियों को सक्रिय समर्थन दिया जाना।
- → सामंती प्रणाली का पतन

अच्छा प्रयास

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

तकनीकी विकास

→ तकनीकि विकास मुख्यतः सूतीवस्त्र व लोह उद्योग के क्षेत्र में

→ कताई के लिए हरग्रीव्ज का स्पैनिंग जैनी, आर्क राइट का वॉटरफ्रेम व क्राम्पटन का म्यूल

→ बुनाई के लिए जॉन के का फ्लाइंग शटल और कार्ट राइट का पावरलूम

→ डर्बी परिवार के द्वारा कुकिंग कोल का प्रयोग तथा लोहे से बेहतर छड़ों का निर्माण

गौरतलब है कि जहाँ औद्योगिक क्रांति हेतु आवश्यक सभी पूर्व शर्तें इंग्लैंड में उपस्थित थी वहीं यूरोप तथा विश्व के अन्य देशों में पूर्ण या अंशतः अनुपस्थित थे यथा जहाँ फ्रांस राजनीति, आर्थिक अस्थिरता का शिकार वहीं भारत उपनिवेशवाद का यही कारण है कि औद्योगिक-क्रांति इंग्लैंड में ही पहली बार घटित हुए।

प्रासंगिक बिन्दु

निष्कर्ष अच्छा है

12/20

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) वर्ष 1917 की रूसी क्रांति के कारणों का उल्लेख कीजिये। 15

Enumerate the causes of the Russian Revolutions of 1917. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रूसी क्रांति 1917 के दो चरण माने जाते हैं (i) फरवरी मार्च में घटित बुर्जुआ क्रांति
(ii) अक्टूबर नवंबर में घटित बोल्शेविक क्रांति
इन्हें ही संयुक्त रूप से रूसी क्रांति की संज्ञा दी जाती है।

भूमिका ठीक है

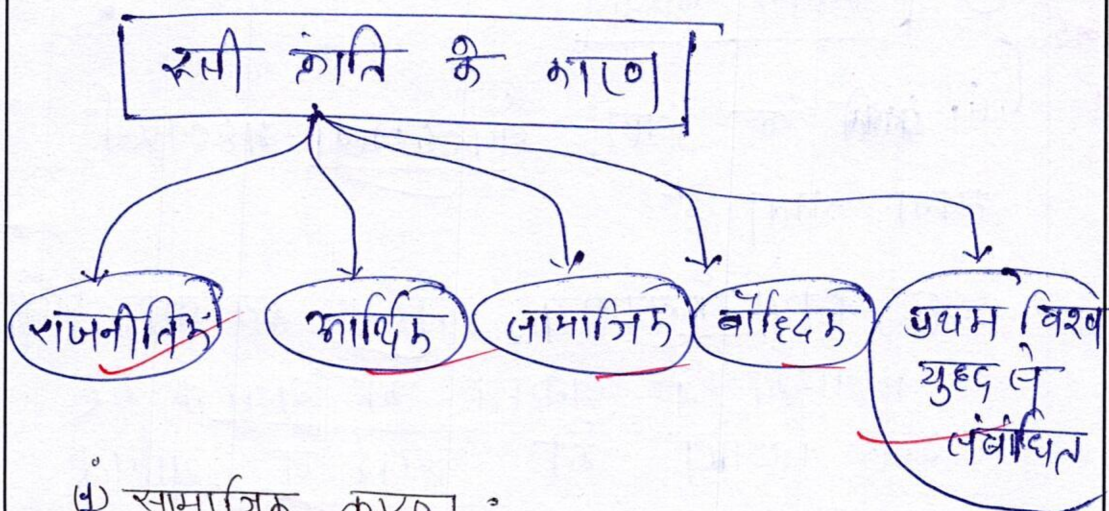

good

(1) सामाजिक कारण :

(i) रूसी समाज अत्यंत परम्परावादी समाज था जहाँ 1861 में ही जाकर 'दास व्यवस्था' का उन्मूलन किया जा सका था।

→ बावजूद इसके दासों को संपत्ति का हस्तांतरण नहीं किया गया

(ii) रूसी शासक तथा कुलीन वर्ग सामाजिक ढाँचे में होने वाले किसी भी परिवर्तन के प्रबल विरोधी थे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

② राजनीतिक कारण

(i) प्रजातंत्र के युग में भी रूसी राजव्यवस्था कठोर तानाशाही पर आधारित

(ii) निरंकुश राजनीतिक सत्ता के विरुद्ध रूसी जनता में तीव्र प्रतिक्रिया

(iii)

1905 के क्रांति के पूर्व कोई प्रतिनिधि संस्था नहीं किन्तु इसे भी बंद कर दिया गया।

③ बौद्धिक कारण

(i) क्रांति के लिए बौद्धिककारण महत्वपूर्ण माना जाता है

(क) लियो टॉलस्टाय, दोस्तोवस्की जैसे विचारकों ने जनमत को संगठित कर इनके विचारों को गहराई से प्रभावित किया

good

④ आर्थिक कारण - यद्यपि रूस में आधुनिकीकरण की शुरुआत हो चुकी थी किंतु इसकी कुछ सीमाएँ थी जिसने क्रांति के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(i) रूसी औद्योगिकरण का उद्देश्य जनकल्याण के स्थान पर रूस को एक सशक्त औद्योगिक व साम्राज्यवादी राष्ट्र बनाना था।

(ii) गैर-सेन-क्रॉन मॉडल पर आधारित रूसी औद्योगिकरण मुख्यत: सरकार द्वारा नियंत्रित। (सरकार उत्पादक, निवेशक और उपभोक्ता तीनों की भूमिका में)

(iii) रूसी जनता पर भारी कर की दर

(iv) उद्योगों के केन्द्रीयकरण के कारण श्रमिकों में वर्गीय चेतना का विकास

good

(5) प्रथमविश्वयुद्ध से जुड़े कारण

(i) अनियोजित ढंग से युद्ध में शामिल होने के कारण रूस में जरूरत के वस्तुओं की कमी

(ii) युद्धकाल में मुद्रा की अत्यधिक छपाई के कारण मुद्रास्फीति।

(iii) Schorchd earth policy के कारण जनउपयोगी वस्तुओं का नुकसान

(iv) जार के युद्ध मोर्चे पर जाने के बाद जारिना व रासपुतिन के द्वारा किये गए षडयंत्रों से राज परिवार का धमका

उपरोक्त कारणों ने 1917 को रूसी क्रांति को जन्म दिया

good

निष्कर्ष भी लिखें।

7.5/15

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) इंडोनेशिया में डच साम्राज्यवाद की प्रकृति का परीक्षण कीजिये। 15

Examine the nature of Dutch imperialism in Indonesia. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

इंडोनेशिया 19वी सदी तथा 20वी सदी के पूर्वार्द्ध में एक महत्वपूर्ण डच उपनिवेश रहा था जो 1949 में ही जाकर डॉ सुकर्णो के नेतृत्व में ही स्वतंत्र हो सका।

भूमिका ठीक है

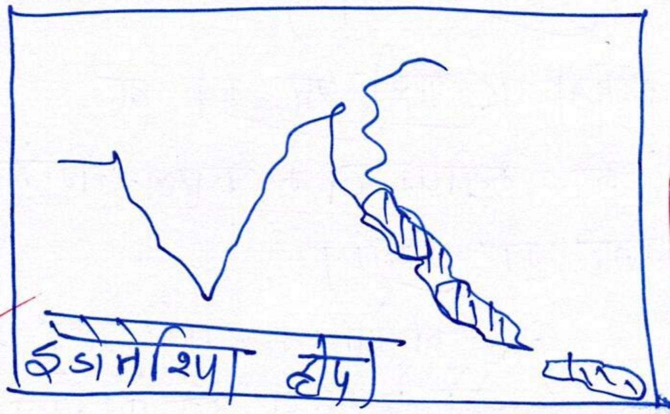

good

इंडोनेशिया में डच साम्राज्यवाद की प्रकृति

1) कठोर शासन व्यवस्था

2) स्थानीय आबादी को परंपरागत अधिकारों से वंचित किया जाना

3) प्राकृतिक संसाधनों पर सरकारी नियंत्रण

good

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(4) आंदोलन व विद्रोह का डचो द्वारा ~~बल~~ दमन ~~किया~~ जाता

(5) द्वितीय ~~विश्व~~ युद्ध के ~~आप~~ दौरान डचो के द्वारा स्कार्च्ड अर्थनीति का पालन किया जाना जिससे इंडोनेशिया में जरूरत की वस्तुओं की कमी हो गई।

(6) II - World War के दौरान इंडोनेशिया पर जापान का नियंत्रण किंतु युद्ध उपरांत डचो द्वारा पुनः नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास हालांकि विफल।

डचों के क्रूर तथा दमनकारी नीतियों के विरुद्ध इंडोनेशियाई मध्यवर्गीय बुद्धिजीवी तथा ~~राष्ट्रवादियों~~ राष्ट्रवादी संगठित हुए जिसके फलस्वरूप इंडोनेशिया आजाद हो गया

अर्थ बिन्दु
↓
आर्थिक शोषण
↓
बागानी कृषि - रचना
- केंद्रीकृत शासन
- सामाजिक (नियंत्रण)

अच्छा प्रयास

निष्कर्ष ठीक है

6/15

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

3. (a) प्रशा के अधीन जर्मनी के एकीकरण में ज़ॉलवरीन की भूमिका का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। 20

Critically examine the role of Zollverein in unification of Germany under Prussia. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

ज़ॉलवरीन एक चुंगी संघ था जिसमें प्रशा के साथ जर्मन राज्य भी शामिल थे।

ज़ॉलवरीन का एकीकरण के संदर्भ में भूमिका

- आर्थिक एकीकरण

↓

औद्योगीकरण को बढ़ावा

↓

मध्य वर्ग मजबूत

↓

मध्य वर्ग को ब्रिटेन की तरह बाजार की जरूरत

↓

इसके लिए सशक्त राष्ट्र की जरूरत

↓

एकीकरण को प्रेरित किया

किन्तु आर्थिक कारण के साथ राष्ट्रवाद की भी भूमिका

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) मेटरनिख प्रणाली क्या थी? यूरोप पर इसके प्रभावों का मूल्यांकन कीजिये। 15

What is the Metternich system? Assess its impact on Europe. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मेटरनिख प्रणाली : 1815 में नेपोलियन के पतन के पश्चात यूरोप में हो रहे प्रगतिशील परिवर्तनों को रोकने हेतु था।

प्रमुख पहलू

- राजतंत्र की बहाली
- शक्ति संतुलन
- राष्ट्रवाद का दमन

प्रभाव

- अस्थायी स्थिरता
- लोकतांत्रिक आदर्शों का दमन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) पेरिस शांति सम्मेलन में मित्र शक्तियों के हितों के टकराव के साथ-साथ उनके नेतृत्व स्तर पर भी वैचारिक मतभेद थे। परीक्षण कीजिये। 15

Paris Peace Conference involved clash of interests of allied powers as well as difference in personalities of their leaders." Examine. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) वर्ष 1949 की चीनी क्रांति के सामाजिक कारणों पर प्रकाश डालिये। 20

Highlight the social causes of the Chinese Revolution of 1949. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1949 की चीनी क्रांति की प्रेरणाएं साम्राज्यवाद और पश्चिमी विचारों की प्रतिक्रिया के साथ कुओमिंतांग शासन की विफलता का परिणाम था।

सामाजिक कारण

- ग्रामीण किसानों का मुद्दा
- औद्योगिक मजदूरों का मुद्दा
- गरीबी
- भूमि सुधार
- पूंजीपतियों का शोषण

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) नवसाम्राज्यवाद की आर्थिक एवं राष्ट्रवादी प्रेरणाएँ क्या थीं? 15

What were the nationalist and economic motivations of new imperialism? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

आर्थिक प्रेरणाएँ

- औद्योगीकरण — बाजार की खोज
- सस्ते श्रम का मुद्दा
- कच्चे माल की आवश्यकता
- — — — —
- — —

राष्ट्रवादी प्रेरणाएँ

- साम्राज्यवाद को राष्ट्रीय गौरव की भावना से जुड़ना
- आंतरिक अशांति को मोड़ने हेतु
- — — —
- — —

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) तीसरे जर्मन राज्य के उत्थान और पतन की विवेचना कीजिये। 15

Discuss the rise and fall of the Third Reich. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - ख / SECTION - B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: **10 × 5 = 50**
Answer the following in about 150 words each:

(a) एकध्रुवीय विश्व विभिन्न कारकों की परिणति का परिणाम था।

Unipolar world was a result of the culmination of various factors.

एकध्रुवीय विश्व का आशय कि 1991 के पश्चात् सयुंक्त राज्य अमेरिका के एकमात्र शक्ति के रूप मे वैश्विक प्रभुत्व से है।

भूमिका ठीक है।

एकध्रुवीय विश्व का कारण

(i) 1991 मे USSR का पतन
(ii) पूंजीवादी तथा उदारवादी विचारधारा के पक्ष मे शीतयुद्ध का अंत
(iii) U.S.A का प्रथम विश्व के देशों का स्पष्ट नेता होना
(iv) चीन तथा भारत का विकास के क्षेत्र मे आरंभिक स्तर पर होना
(v) U.S.A के पास सबसे बडी सैन्य आर्थिक व सॉफ्ट पॉवर की शक्ति का होना

सारे बिन्दु प्रासंगिक है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हालांकि विगत वर्षों में एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को कड़ी चुनौती का सामना कर पड़ा रहा है

चुनौती

चुनौती के कारण

(i) आर्थिक शक्ति के रूप में चीन का उद्भव
(ii) रूस तथा चीन के बीच बढ़ती निकटता
(iii) वैश्विक दक्षिण का बढ़ता महत्व
(iv) भारत की बढ़ती आर्थिक व राजनीतिक शक्ति
(v) ASEAN, EU तथा अफ्रीकी संघ जैसी क्षेत्रीय संगठनों की प्रखर होती भूमिका

good

बहुध्रुवीय विश्वव्यवस्था के विकास के उपरोक्त कारणों के बावजूद 1990 के दशक के से अगले तीन दशकों तक एक ध्रुवीयता ही विश्व व्यवस्था की सच्चाई रही।

निष्कर्ष ठीक है।

5/10

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) गोर्बाचेव की पेरेस्त्रोइका की नई नीति पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

Write a short note on Gorbachev's new policy of Perestroika.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

U.S.S.R के अंतिम राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव के द्वारा साम्यवादी सोवियत संघ में सुधार हेतु पेरेस्त्रोइका की नीति अपनाई गई।

पेरेस्त्रोइका की नीति के मुख्य आयाम :-

आयाम

- ग्लासनोस्त (खुलापन) — ग्लासनोस्ट की नीति भी
- अभिव्यक्ति की आजादी तथा प्रेस की स्वतंत्रता की स्वीकृति
- धार्मिक तथा नस्लीय पहचान को मुखरता से स्वीकारा जाना
- प्राय विरोध प्रदर्शन के अधिकार को भी स्वीकृति

पेरेस्त्रोइका की नीति के प्रभाव

प्रभाव

- (i) लोगों को लंबे समय के बाद अपनी इच्छाओं को अभिव्यक्त करने की आजादी मिली।

- केंद्रीय नियोजन प्रणाली की जगह उदारवादी प्रणाली
- बाजार तंत्र
- कौशल विकास
- प्रौद्योगिकी का विकास

भूमिका अच्छी है

पेरेस्त्रोइका मुख्य रूप से आर्थिक सुधार से संबंधित था।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ii) विद्यमान संकट को और अधिक गहरा कर दिया

(iii) अंततः U.S.S.R के विघटन का कारण बना

हालांकि U.S.S.R के विघटन में कई कारकों की भूमिका रही किंतु पेरेस्त्रोइका की नीति इसके लिए उत्प्रेरक (कैटेलिस्ट) सिद्ध हुई तथा दवा, औषधि रोग से अधिक घातक बन गई।

निष्कर्ष लिखें

2.5/10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) इटली के एकीकरण में कार्बोनेरीज की भूमिका को स्पष्ट कीजिये।

The role played by Carbonaries in the Italian unification.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इटली का एकीकरण विविध कारणों का परिणाम माना जाता है जिसमे कार्बोनेरीज जैसे संगठनो की अपनी पृथक किंतु विशिष्ट भूमिका रही।

एकीकरण में कार्बोनेरीज की भूमिका :-

(i) कार्बोनेरीज एक गुप्त संगठन था

(ii) इटली के एकीकरण का हृदय माने जाने वाला 'जॉसेफ मैजनी' भी इसका सदस्य रहा था

(iii) इसने इतालवी जनता के बीच राष्ट्रीय चेतना के प्रसार मे अहम भूमिका निभाई

(iv) 1831 से 1848 तक हुए विभिन्न क्रांतियो मे कार्बोनेरीज ने सक्रिय भूमिका निभाया इटली के एकीकरण हेतु

भूमिका को प्रभावी बनाये

अन्य बिन्दु
- इन्होंने देशभक्ति उदारवादी और गणतंत्रिक आदर्शों को समर्थन दिया
- इटली राष्ट्रवादी चेतना को प्रेरित किया
- इटली के एकीकरण की परिकल्पना की

अच्छा प्रयास

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आधारभूत परिस्थितियाँ तैयार की

(v) काबोनेरीप के द्वारा किए गए प्रयासों ने काबूर को भी इटली के एकीकरण के प्रयास हेतु विवश किया।

यद्यपि काबोनेरीप 19वी सदी में इटली में मौजूद विभिन्न गुप्त संगठनों में से एक था किंतु इसने इटली के एकीकरण में अन्य गुप्त संगठनों के सामानांतर कहीं बड़ी भूमिका निभाई।

5/10

निष्कर्ष को प्रभावी बनायें
एकीकरण में अन्य कारकों की संदर्भ में चर्चा कर सकते हैं

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(d) रंगभेद के नस्लीय वर्गीकरण ने दक्षिण अफ्रीका की सामाजिक संरचना और अधिकारों को कैसे प्रभावित किया?

How did apartheid's racial classification impact South Africa's social structure and rights?

1946 में आए जनगणना के परिणामों और फिर राज्यमंडल में गैर श्वेत देशों की बढ़ती संख्या को देखते हुए 1948 में मलान की सरकार ने दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद की नीति के शुरुआत की जिसके तहत अश्वेत व मिश्रित रंग की आबादी को श्वेत आबादी से पूर्णतः पृथक रखा जाता।

भूमिका ठीक है

नस्लीय वर्गीकरण का द. अफ्रीका की सामाजिक संरचना व अधिकारों पर इसका प्रभाव:-

अन्य बिन्दु
• बंटू शिक्षा एक्ट
• सार्वजनिक स्थानों पर आबादी पहुंच पर रोक

(i) ~~सामाजिक~~

(i) → अश्वेत जनसंख्या को श्वेत जनसंख्या से सर्वथा दूर बसाया जाना

(ii) → 13% द. अफ्रीकी भू-भाग में 70% से अधिक द. अफ्रीकी अश्वेत आबादी का निवास

Good

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(iii) श्वेत तथा अश्वेत जनसंख्या के बीच के वैवाहिक संबंधों पर रोक

(iv) विशेष पास होने पर अश्वेतों को श्वेतों के आवासीय क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति

(v) अश्वेत आबादी के मूलभूत मानवाधिकारों का भी हनन किया जाना

(vi) अश्वेतों की तुलना पशुओं से किया जाना

सभी बिन्दु प्रासंगिक हैं

रंगभेद की उपरोक्त नीति ने नेल्सन मंडेला जैसे मानवतावादी अफ्रीकी नेताओं के प्रयास तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के कारण 1990 के दशक की शुरुआत में समाप्त हुई।

निष्कर्ष ठीक है

5/10

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(e) नव-उपनिवेशवाद पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

Write a short note on neo-colonialism.

~~भूमिका~~

नव-उपनिवेशवाद का आशय उपनिवेशों को राजनैतिक स्वतंत्रता औपचारिक रूप से प्रदान करने के बावजूद उसे आर्थिक व सामाजिक रूप से पश्चिमी शक्तियों के प्रभाव में रखने के प्रयास से है।

भूमिका ठीक है

नव-उपनिवेशवाद के प्रेरक तत्व

(i) ब्रेटन वुड्स प्रणाली की जुड़वा संताने (IMF व विश्व बैंक)

(ii) पक्षपातपूर्ण विश्व व्यापार को प्रोत्साहित करने वाला WTO।

(iii) विश्व अर्थव्यवस्था का डॉलरीकरण

(iv) पश्चिमी बुद्धिजीवियों के द्वारा पश्चिम को केन्द्रीय जबकि शेष विश्व को परिधीय क्षेत्र घोषित किया जाना

डिटेल (कुछ उदाहरण) अथवा वर्तमान परिस्थितियों की भी चर्चा करें

प्रासंगिक बिन्दु है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(V) पश्चिमी बुद्धिजीवियों के द्वारा नस्लवादी तथा भेदभावपूर्ण मानविकी विषयों की रचना

नव - उपनिवेशवाद के अभिलक्षण

अभिलक्षण
- पूंजीवादी अर्थव्यवस्था का विस्तार
- पश्चिमी संस्कृति का अपनाया जाना
- अंग्रेजी भाषा का थोपा जाना
- हॉलीवुड

good

हालांकि विगत वर्षों में नव-उपनिवेशवाद के विरोध में ऊंची आवाज उठी है किन्तु यह आज भी किसी न किसी रूप में जीवित है।

निष्कर्ष ठीक है

हाल के वर्षों में चीन की इस संदर्भ में भूमिका का भी उल्लेख हुआ होता ✓ जैसे ऋण डिप्लोमेसी आदि

5/10

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) जर्मनी का एकीकरण 'रक्त एवं लौह' और 'कोयले एवं लौह' की नीति के बीच एक संतुलन था। परीक्षण कीजिये। 20

German unification was equally poised between the policy of 'blood and iron' and 'coal and iron'. Examine. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बेंजामिन डिजरायली के शब्दों में जर्मनी का एकीकरण फ्रांस के क्रांति से भी अधिक महत्वपूर्ण घटना थी। विद्वानों के अनुसार जर्मनी का एकीकरण 'रक्त और लौह' तथा कोयले और लौह की नीति के बीच का संतुलन का परिणाम था।

भूमिका ठीक है। इसे और प्रभावी बनायें।

→ कोयले और लौह - अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कीन्स ने जर्मनी के एकीकरण में कोयले और लौह की भूमिका को अधिक महत्व दिया है।

कारण

→ (i) 1815 के वियाना कांग्रेस में 'परसा' (प्रशा) को लौह तथा कोयला उत्पादक राइन लैंड प्राप्त हुआ था जिससे पाला (प्रशा) में औद्योगिकीकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ फलतः अन्य जर्मन राज्यों का परसा के

Good

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

साथ बेहतर संबंध स्थापित हुआ।

(ii) 1934 में ज़ॉल बेराइन नामक शुल्क संघ की स्थापना के कारण जर्मन राज्यों का प्रशा के साथ बेहतर आर्थिक एकीकरण संभव हो सका।

(iii) रेलवे को के विकास ने विभिन्न जर्मन राज्यों के बीच के भौगोलिक दूरी को व्यवहारिक रूप से कम कर आर्थिक एकीकरण को प्रोत्साहित किया

(iv) नव उदित पूंजीपति वर्ग ने जर्मन साम्राज्य से संरक्षण प्राप्त करने के उद्देश्य से बिस्मार्क के रक्त और लौह की नीति का समर्थन किया।

सारे बिन्दु प्रासंगिक है

(2) रक्त और लौह की नीति :- विद्वानों के बीच जर्मनी के एकीकरण के लिए यह संभवतः सर्वाधिक प्रथा स्वीकार्य कारण है

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

↳ 1848 में फ्रेंकफर्ट पार्लियामेंट की रचना के पश्चात् 1849 में प्रशा के शासक ने स्वयं ही जर्मनी के एकीकरण का प्रस्ताव पेश किया किंतु ऑस्ट्रिया के दबाव में उसे पीछे हटना पड़ा।

↳ ऑस्ट्रिया तथा फ्रांस अपने निजी हितों के कारण जर्मनी के एकीकरण के सबसे बड़े बाधक थे। जिसका व्यावहारिक समाधान बिस्मार्क ने तलाशा।

↳ बिस्मार्क ने 1864 से 1870 के बीच क्रमशः डेनमार्क, ऑस्ट्रिया तथा फ्रांस के साथ तीन युद्ध कर जर्मनी के एकीकरण के मार्ग को प्रशस्त किया।

↳ जर्मनी के एकीकरण में जर्मन इतिहास के तर्कशास्त्र में निहित सैन्यवाद की विशेष भूमिका रही।

अन्य बिन्दु ⇓ लोहा एवं कोयला की भूमिका होते हुए भी एकीकरण में एक प्रकार की गांठ थी उसे बिस्मार्क ने सैन्यवाद से काटा। ↓ - ऑस्ट्रिया की चुनौती - फ्रांस की चुनौती आदि।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस तरह से जर्मनी के एकीकरण न तो अकेले बिस्मार्क के 'लौह और रक्त' की नीति का परिणाम था और न ही अकेले कोयला और लोह का परिणाम था अपितु यह दोनों के बीच समुचित संतुलन पर आधारित था जहाँ दोनों एक दूसरे को परिपूरित कर रहे थे इसके अतिरिक्त 'हीगेल' के उग्रराष्ट्रवाद तथा फिक्टे के ऑफ-क्लांग की अवधारणा ने भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

निष्कर्ष ठीक है। इसे प्रभावी बनाने हेतु एकीकरण को यूरोप में शक्ति संतुलन से जोड़ें।

11/20

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) प्रथम विश्व युद्ध का प्रभाव असाधारण रूप से व्यापक था। टिप्पणी कीजिये। 15

The impact of World War I was extraordinarily wide-ranging. Comment. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रथम विश्व युद्ध 1914-18 उग्रराष्ट्रवाद, सैन्यवाद तथा साम्राज्यवाद का त्रासद परिणाम माना जाता है जिसका तत्कालिक समाज, अर्थव्यवस्था, समाज और राजनीति पर व्यापक व बहुआयामी प्रभाव देखने को मिलता है।

भूमिका ठीक है

① समाज पर प्रभाव

प्रभाव
→(i) युद्ध के दौरान अधिकांश पुरुष युद्ध के मोर्चे पर फलतः अधिकांश यूरोपीय महिलाएं आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय हो गई।

→(ii) आर्थिक निर्भरता ने (आत्मनिर्भरता) महिलाओं की सामाजिक स्थिति में सुधार का कारण बना

(iii) यूरोप में नारीवादी आंदोलन को प्रोत्साहन मिला। जिससे

सभी बिन्दु प्रासंगिक है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(iv) यूरोपीय समाज अधिक खुला व प्रगतिशील बन सका।

आर्थिक प्रभाव

(i) युद्ध के दौरान युद्धप्रेरित अर्थव्यवस्था को बल मिला

(ii) युद्ध के बाद एकतरफ मा के दर में वृद्धि वहीं दूसरी तरफ लोगों के समक्ष रोजगार संकट

(iii) युद्ध के बाद यूरोप सम्पूर्ण विश्व में आर्थिक मंदी का दौर (1923 में जर्मनी में अति मुद्रास्फीति और 1929-30 में आर्थिक महामंदी।

good

राजनीतिक पर प्रभाव

प्रभाव

(i) पुराने राजवंशों यथा रूस में रोमनाव, जर्मनी में होयेन जोलर्न, ऑस्ट्रिया में हैब्सबर्ग आदि का पतन

(ii) पराजित राष्ट्रों तथा नए स्थापित राष्ट्रों में प्रजातांत्रिक मूल्यों पर आधारित ~~मूल्यों को~~ सरकारों की स्थापना

good

अन्य बिन्दु
- रासायनिक व जैविक हथियार
- मानवाधिकारों का उल्लंघन
- उपनिवेशों में जनआंदोलन
- राष्ट्रसंघ
- यूरोपीय प्रभुत्व कमजोर

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

09

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iii) युद्ध तथा शांति संधियों के परिणामों के कारण जर्मनी में नाज़ीवाद तथा इटली में फासीवाद को प्रोत्साहन

(iv) 1917 की रूसी क्रांति में भी प्रथम विश्व युद्ध का योगदान

सराहनीय प्रयास

संस्कृति पर प्रभाव

(i) तर्कवाद के स्थान पर भावनाओं पर विशेष बल दिया जाने लगा

(ii) पश्चिमी संस्कृति में निहित समस्याएं दुनिया के सामने उजागर हुई

अतएव यह कहना समीचीन होगा कि प्रथम विश्वयुद्ध के परिणामों ने जहाँ कुछ अर्थों में विश्व को सभ्यता के मार्ग पर अग्रसर किया वहीं कुछ अन्य अर्थों में आर्थिक संकट व फासीवादी विचारों को बढ़ावा देकर सभ्यता के पतन को रेखांकित किया।

निष्कर्ष अच्छा है

9/15

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) यद्यपि चार्टरवादी आंदोलन अपनी आकांक्षाओं को पूर्ण नहीं कर सका, बावजूद इसके इसे पूर्णतः विफल आंदोलन नहीं कहा जा सकता। परीक्षण कीजिये। 15

Despite the Chartist movement not fulfilling its aspiration, it can not be called a complete failure. Examine. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

चार्टरवादी आंदोलन मुख्यतः 1838 - 1848 के बीच इंग्लैंड में चला श्रमिकों का वह आंदोलन था जिसमें ब्रिटिश ~~पार्लियामेंट~~ संसद के सामने कुछ मांगें रखी और इनके पक्ष में हस्ताक्षर जुटाया।

भूमिका ठीक है

चार्टिस्ट आंदोलन की मांगें

मांगें
- (i) संसद के लिए प्रतिवर्ष मतदान की व्यवस्था
- (ii) सार्वजनिक पुरुष मताधिकार
- (iii) सांसदों के वेतन की व्यवस्था
- (iv) आबादी के अनुरूप संसद के सीटों का निर्धारण
- (v) गुप्त मतदान

good

यद्यपि तात्कालिक रूप से चार्टिस्ट आंदोलन के मांगों को अस्वीकार कर दिया गया

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

फिर 1848 के चार्टिस्ट आंदोलन एक तरफ तो लंदन में हुई बारिश से बिखर गया वहीं दूसरी तरफ अपने मांगो के पक्ष में जुटाए गए करीब 60 लाख हस्ताक्षरों में से कई फर्जी व जाली पाए गए।

इसके बावजूद इसे पूर्णत: इसे विफल आंदोलन नही कहा जा सकता -

कारण

(i) क्रमिक रूप से ब्रिटिश संसद के सदस्यों के निर्वाचन हेतू मतदान का विस्तार किया जाता रहा

(ii) 1918 तक सार्वभौमिक पुरुष मताधिकार को पूरी तरह से स्वीकार कर लिया गया

(iii) 1872 तक संसद के सीटों का जनसंख्या के अनुरूप निर्धारित कर दिया गया

(iv) संसद के सदस्यों के वेतन की व्यवस्था कर दी गई

अन्य बिन्दु → राजनीतिक मांगो से आर्थिक मांगो की ओर परिवर्तन → मजदूरों के आर्थिक सुधार व कल्याणकारी प्रभाव

अच्छा प्रयास

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस तरह से यह कहना सही होगा कि यद्यपि चार्टरवादी आंदोलन तत्कालिक रूप से अपनी आकांक्षाओं को पूर्ण नहीं कर सका इसके बावजूद यह पूरी तरह से असफल नहीं रहा।

निष्कर्ष ठीक है

2.5/15

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) सुधार अधिनियम को आधुनिक ब्रिटेन के इतिहास में सबसे महत्त्वपूर्ण विधानों में से एक के रूप में याद किया जाना चाहिये। विश्लेषण कीजिये। 20

The Reform Act should be remembered as one of the most momentous pieces of legislation in the history of modern Britain. Analyze. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) अमेरिकी गृहयुद्ध कहीं से भी गृहयुद्ध नहीं था लेकिन इसने महान अमेरिकी सभ्यता के लिये आधारशिला का कार्य किया। टिप्पणी कीजिये। 15

The American civil war was nowhere civil but it served as the stepping stone for the great American civilisation. Comment. 15

अमेरिकी गृहयुद्ध अमेरिका के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अमेरिकी सभ्यता की आधारशिला

- दक्षिणी राज्यों में भी पूंजीवादी संस्कृति को अपनाया गया
- चिकित्सा व तकनीकी प्रगति
- दासप्रथा का अंत - मानवतावाद के रक्षक के रूप में वैश्विक भूमिका

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाषः 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेलः help@groupdrishti.in :: वेबसाइटः www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) जर्मन औद्योगीकरण ब्रिटिश औद्योगीकरण से भिन्न था। सविस्तार वर्णन कीजिये। 15

German industrialisation was different from that of the British. Elaborate. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. (a) पुनर्जागरण मनुष्य की बौद्धिक और कलात्मक ऊर्जाओं की एक ऐसी अभिव्यक्ति थी जिसके द्वारा यूरोप ने मध्यकाल से निकलकर आधुनिक काल में प्रवेश किया। चर्चा कीजिये। 20

Renaissance was an expression of the intellectual and artistic energies of man by which Europe came out of the medieval period and entered the modern period. Discuss. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पुनर्जागरण का अर्थ है नींद से जागना। किंतु यूरोपीय इतिहास के परिप्रेक्ष्य में इसका आशय है ग्रीक व लैटिन साहित्य का पुर्नजीवित होना।

भूमिका को प्रभावी बनाये

→ पुनर्जागरण को प्रेरित करने वाले कारण

(i) क्रूसेड के कारण पश्चिमी यूरोप का एशियाई देशों के साथ गहरा जुड़ाव फलतः पश्चिम यूरोपीय देशों का एशियाई ज्ञान-विज्ञान से परिचित होना

अच्छा प्रयास

(ii) यूरोप में नए विश्व विद्यालयों की स्थापना जिन्होंने नए विचारों के विकास में भूमिका निभाई।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iii) प्रिंटिंग प्रेस के विकास में नए विचारों के प्रचार-प्रसार को सरल व सस्ता बनाया

(iv) मध्यवर्ग के उद्भव ने नए विचारों को तेजी से आत्मसात किया।

वस्तुतः पुनर्जागरण मनुष्य की बौद्धिक और कलात्मक ऊर्जा की ऐसी अभिव्यक्ति थी जिसके द्वारा यूरोप ने मध्यकाल से निकलकर आधुनिक काल में प्रवेश किया, जिसे इसके प्रभाव से समझा जा सकता है।

(i) खोजी दृष्टिकोण तथा साहसिक मनोभाव को प्रोत्साहन :— फलतः भौगोलिक खोजों का मार्ग प्रशस्त हुआ जिससे नई दुनिया की खोज हो सकी।

अन्य बिन्दु
- धर्मनिरपेक्ष व तर्कसंगत विचार
- उपनिवेशवाद
- राष्ट्रीय राज्यों के उदय
- व्यक्तिवाद को प्रोत्साहन

good

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ii) विज्ञान व तर्क को प्रोत्साहन –

मानचित्रण, कम्पास जैसे नव परिवहन तकनीकों का विकास हो सका इसके अतिरिक्त अब यह माना जाने लगा कि ज्ञान परीक्षणों से भी संभव है फलत: वैज्ञानिक क्रांति को प्रोत्साहन।

(iii) निरंकुश राजतंत्रों का उद्भव –

प्राचीन रोमन साहित्य में शक्तिशाली धार्मिक व राजनीतिक व्यवस्था पर बल फलत: एक तरफ निरंकुश राजतंत्र का विकास वहीं इसी तरफ राष्ट्रीय राज्यों के उद्भव का मार्ग प्रशस्त हुआ।

(iv) अंधकार युग की समाप्ति –

इस ज्ञान से यूरोप अब चर्च की गिरफ्त से क्रमश: बाहर आने लगा

चर्च की कट्टरता पर चोट
पारलौकिक के स्थान पर इहलौकिक को महत्व आदि

अच्छा प्रयास

good

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उपरोक्त कारणों से ही पुनर्जागरण के पश्चात पहले प्रोटेस्टेंट धर्म सुधार आंदोलन और फिर प्रबोधन से यूरोप आधुनिक काल में प्रवेश कर गया।

10/20

निष्कर्ष ठीक है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) द्वितीय विश्व युद्ध में रोम-बर्लिन-टोक्यो धुरी के महत्त्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा कीजिये। 15

Discuss the significant aspects of the ROME-BERLIN-TOKYO axis in the second world war. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

द्वितीय विश्वयुद्ध (~~1939-45~~) (1939-45) विश्व इतिहास की एक विभाजक रेखा के रूप में ~~जाती~~ जाना जाती है जिसके मूल में रोम-बर्लिन-टोक्यो धुरी निहित था।

भूमिका ठीक है इसे और प्रभावी बनायें

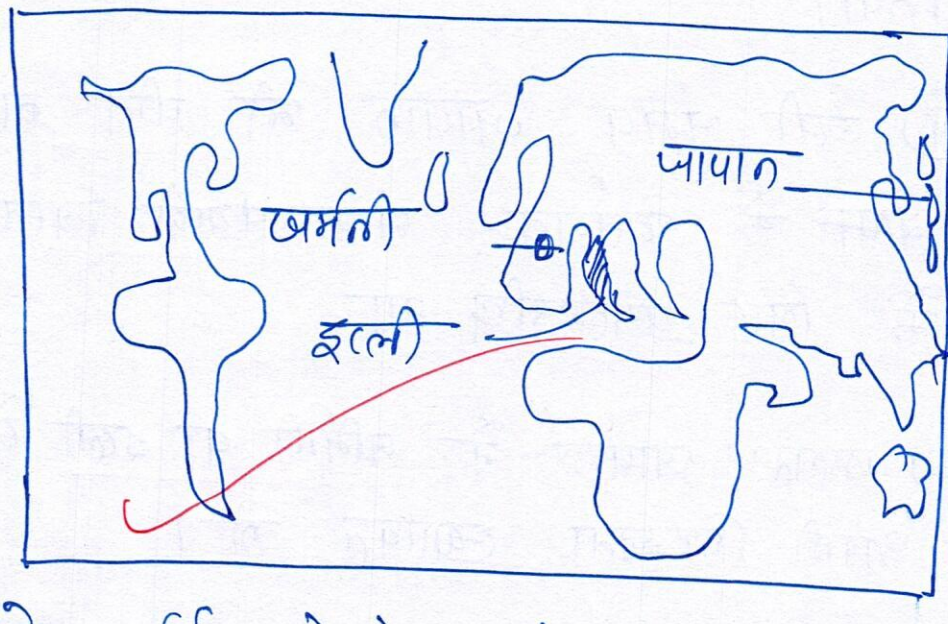

Good

रोम-बर्लिन-टोक्यो धुरी का विकास :-

(1) आरंभ में लूवाल ~~होसोलि~~ मुसोलनी समझौते के उपरांत फ्रांस तथा इटली के बीच निकटता स्थापित हुई किंतु इथोपिया के मुद्दे पर फ्रांस इटली

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

से दूर हो गया

(ii) इस स्थिति का लाभ उठाकर हिटलर ने मुसोलिनी के साथ निकटता स्थापित की तथा 1936 में रोम-बर्लिन-धुरी का निर्माण कर एक सैन्य गुट स्थापित किया।

(iii) उसी समय जापान भी पीत क्रांति ~~तथा~~ के अंतर्गत साम्राज्यवादी विस्तार के लिए प्रयत्नशील था

(iv) फलतः जापान ने जर्मनी व इटली से अपनी निकटता स्थापित की।

(v) इससे 1939 में तीनों के बीच एक सैन्य गुट का निर्माण हो सका जिसे लोकप्रिय रूप में रोम-बर्लिन-टोक्यो धुरी के नाम से जाना जाता है।

अन्य बिन्दु
- जर्मनी एवं इटली में फासीवाद और जापान में सैन्यवाद
- हिन्द प्रशांत में जापान की भूमिका
- इटली व जर्मनी का यूरोप व अफ्रीका में साम्राज्यवादी विस्तार का प्रभाव

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

यही पेम - बर्लिन - तोक्यो धुरी हिटलर के आक्रमकता का उत्प्रेरक सिद्ध हुआ जिसने द्वितीय विश्वयुद्ध को जन्म दिया।

→ जन्म कैसे दिया ?

6/15

निष्कर्ष प्रभावी बनाये

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) द्वितीय विश्व युद्ध की प्रकृति का निर्धारण करते हुए इसके कुछ सकारात्मक परिणामों पर चर्चा कीजिये। 15

Determine the nature of World War II and discuss some of its positive consequences. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

द्वितीय विश्व युद्ध (1939-1945) अब तक के मानवीय इतिहास की सबसे त्रासद घटना माना जाता है जिसमें धुरी राष्ट्रों व मित्र राष्ट्रों के करीब पाँच करोड़ सैनिक व नागरिक आबादी की जान गई।

भूमिका ठीक है

द्वितीय विश्व युद्ध की प्रकृति :-

(i)

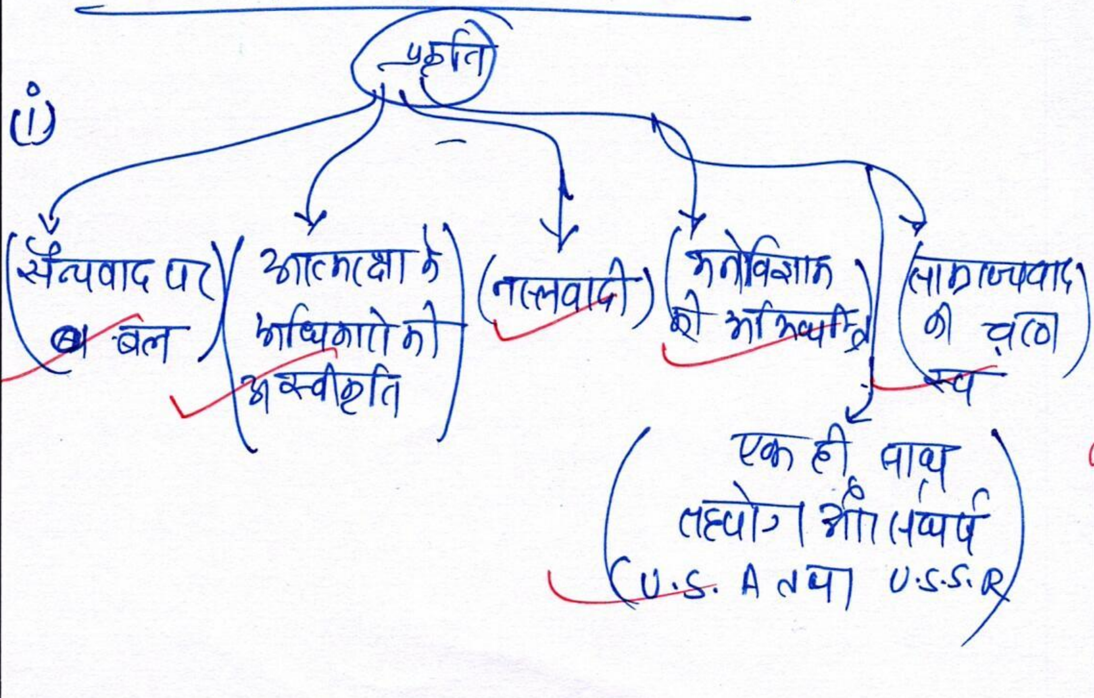

अच्छा प्रस्तुतीकरण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

द्वितीय विश्वयुद्ध के सकारात्मक परिणाम

(i) अटलांटिक चार्टर (1941) विल्सन के 14 सूत्री कार्यक्रम से आगे बढ़कर विश्व के सभी आबादी को आत्मनिर्णय देने के अधिकार की बात स्वीकार की गई।

(ii) UNO का गठन (1945) :- विश्व शांति व वैश्विक सहयोग को प्रोत्साहित कर तृतीय विश्वयुद्ध को घटित होने से रोके रखा

(iii) ब्रेटन वुड्स प्रणाली :- अंतर्राष्ट्रीय वित्त व्यवस्था के संचालन तथा देशों के आर्थिक विकास मे इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

(iv) उपनिवेशमुक्ति आंदोलन को प्रोत्साहन :- द्वितीय विश्वयुद्ध को मुख्यतः लोकतंत्र व आत्मनिर्णय के अधिकार के रक्षा के दावे पर लड़ा गया था अतः उपनिवेशों मे राष्ट्रवादों का तेजी से प्रसार फिर औपनिवेशिक शक्तियां भी कमजोर हो गई

अन्य बिन्दु ↓ - नई तकनीकी का विकास - तृतीय विश्व की अवधारणा ↓ गुटनिरपेक्ष आंदोलन आदि

सारे बिन्दु प्रासंगिक है। अच्छा प्रयास

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जिसने ~~आ~~ उपनिवेश शक्ति को जन्म दिया

① विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का गठन जैसे- UNESCO, UNICEF, WHO जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की स्थापना हुई जिसने आगे चलकर वैश्विक कल्याण में अहम भूमिका निभाई।

good

हालांकि द्वितीय विश्वयुद्ध ~~का परिणाम~~ समग्र रूप से अत्यंत त्रासदपूर्ण घटना थी किंतु इसके कुछ परिणाम आगे चलकर वैश्विक हित में सिद्ध हुए।

9/15

निष्कर्ष को संतुलित बनायें

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
टेस्ट-4

DTVF / OPT-24	H-2404

निर्धारित समय: तीन घंटे	*अधिकतम अंक : 250*
Time Allowed: Three Hours	*Maximum Marks : 250*

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।*

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

*प्रश्न संख्या 1 और 5 **अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के **उत्तर** दीजिये।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।*

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation